

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड,

उद्यान भवन, चौबटिया, रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 17 जनवरी, 2008

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक अनुदान के माध्यम से प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-551/1-1(102)/2007-08, दिनांक 29 नवम्बर, 2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के प्रथम अनुपूरक अनुदान के माध्यम से उद्यान विभाग के अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत 109-राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड एपीडा आदि द्वारा पोषित योजना पर 20 प्रतिशत राज्यांश की योजना के 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद में प्राविधानित धनराशि रु0-25000 हजार (रु0 दो करोड़ पचास लाख मात्र) व्यय हेतु आपके निवर्तन/आवंटन पर रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1- उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-599/XXVII(1)/2007, दिनांक-12 जुलाई, 2007 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा वित्त विभाग द्वारा प्रथम अनुपूरक अनुदान की धनराशि व्यय किये जाने के सम्बन्ध में निर्गत दिशा-निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

2- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशप्लों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।

3- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

4- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है। किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

5- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

6- लाभार्थियों को मैचिंग ग्राण्ट स्वीकृत किये जाने की कार्यवाही सम्बन्धित केन्द्रीय संस्थाओं द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के प्रथम अनुपूरक अनुदानान्तर्गत उद्यान विभाग के अनुदान संख्या-29 के लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00- आयोजनगत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-0109-राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड एपीडा आदि द्वारा पोषित योजना पर 20 प्रतिशत राज्यांश-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नाम डाला जायेगा।

ने

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-272(P)/XXVII-4/2007, दिनांक-16 जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव।

संख्या-1258/XVI/07/7(69)/07/तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मॉटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3- वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
- 5- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 6- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अहमद अली)

अनु सचिव।